INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान

1st Grade

स्कूल व्याख्याता

ॐ सरस्वती मया दृष्ट्वा, वीणा पुस्तक धारणीम।

हंस वाहिनी समायुक्ता मां विद्या दान करोतु में ॐ।।

भाग – 3

हिंदी + अंग्रेजी + शैक्षिक प्रबंधन

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स **"राजस्थान I[st] Grade (स्कूल व्याख्याता)"** को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा **"राजस्थान I[st] Grade (स्कूल व्याख्याता)"** भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें **/**

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें - **https://wa.link/wt3ks1**

Online Order करें - **https://shorturl.at/hkAY3**

मूल्य : ₹	संस्करण : नवीनतम

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	हिंदी	
1.	सन्धि और सन्धि विच्छेद	1
2.	उपसर्ग	6
3.	प्रत्यय	7
4.	अनेकार्थक शब्द	11
5.	विलोम शब्द	13
6.	शब्द – युग्म (समश्रुत भिन्नार्थक शब्द)	22
7.	शब्द शुद्धि	28
8.	वाक्य-शुद्धि	34
9.	अंग्रेजी के पारिभाषिक / प्रशासनिक शब्दावली	39
	अंग्रेजी	
1.	Time And Tense	51
2.	Active and passive Voice	67
3.	Direct & Indirect Narration	73
4.	Article and Determiners	77
5.	Preposition	89
6.	The Verb	109
7.	Correction Of sentences	115
8.	Adverb	118
9.	Adjective	124
10	Conjunction	132
11.	Antonyms and synonyms	136
12.	Prefix And Suffix	148
13.	Words often Confused or Misused	151
	शैक्षिक प्रबंधन	

1.	शैक्षिक प्रबंधन की अवधारणा	153
2.	राजस्थान में शैक्षिक प्रबंधन	157
3.	शिक्षा में सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन	163
4.	शैक्षिक पर्यवेक्षण और निरीक्षण	167
5.	संस्थागत नियोजन	169
6.	शैक्षिक प्रबंधन में नेतृत्व की शैलियाँ	170
7.	S.C.E.R.T	173
8.	राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड	174
9.	उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (IASE)	176
10.	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) (DIET)	179
11.	राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल	181
12.	राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मंडल जयपुर (RSTB)	182
13.	शिक्षा गुणवत्ता के सुधार हेतु राज्य की पहलें	183
14.	दीक्षा – RISE	189
15.	मुस्कान पहल	190
16.	शिक्षा दर्शन एवं ज्ञान वाणी	192
17.	समग्र शिक्षा अभियान	193
18.	शिक्षा का अधिकार अधिनियम – 2009	195
19.	भारत की नई शिक्षा नीति 2020	199

अध्याय – 1

सन्धि और सन्धि विच्छेद

- **सन्धि का अर्थ होता हैं** - मेल और विलोम - विग्रह ।
- आपसी निकटता के कारण दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को सन्धि कहते हैं।

जैसे - हिम + आलय = हिमालय
जगत् + नाथ = जगन्नाथ
निः + धन = निर्धन

सन्धि के भेद

1. स्वर सन्धि
2. व्यन्जन सन्धि
3. विसर्ग सन्धि

1. स्वर सन्धि – परस्पर स्वर का स्वर के साथ मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता हैं, उसे स्वर सन्धि कहते हैं।

जैसे - देव + आलय = देवालय
रमा + ईश = रमेश
एक + एक = एकैक
यदि + अपि = यद्यपि
भौ + उक = भावुक

स्वर सन्धि के भेद –

i. दीर्घ सन्धि
ii. गुण सन्धि
iii. वृद्धि सन्धि
iv. यण संधि
v. अयादि संधि

i. दीर्घ सन्धि – नियम - यदि ह्रस्व या दीर्घ स्वर [अ इ उ] के बाद समान ह्रस्व या दीर्घ स्वर आए तो दोनों के स्थान पर दीर्घ एकादेश होता है।

जैसे- युग् + अन्तर = युगान्तर
युग् अ + अन्तर
युग् आन्तर
युगान्तर
युग् आन्तर
युग् अ+ अन्तर
युग + अन्तर

जैसे - हिम् + आलय = हिमालय
हिम् आ लय
हिम् अ + आलय
हिम + आलय

जैसे - राम + अवतार = रामावतार
तथा + अपि = तथापि

मुनि + इन्द्र = मुनीन्द्र (मुनियों में श्रेष्ठ हैं जो- विश्वामित्र)
कपि + ईश = कपीश (हनुमान, सुग्रीव)
लघु + उत्तम = लघूत्तम
लघु + ऊर्मि = लघूर्मि (छोटी लहर)
भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व
सु + उक्ति = सूक्ति
कटु + उक्ति = कटूक्ति
चमू + उत्थान = चमूत्थान (चमू = सेना)
गुरु + उपदेश = गुरुपदेश
वधू + उत्सव = वधूत्सव (वधू – जिसकी शादी की तैयारियां चल रही हो)
विद्या + अर्थी = विद्यार्थी
विद्या + आलय = विद्यालय
पंच + अमृत = पंचामृत
स्व + अधीन = स्वाधीन
दैत्य + अरि = दैत्यारि (देवता इन्द्र विष्णु)
सत्य + अर्थी = सत्यार्थी
प्रेरणा + आस्पद = प्रेरणास्पद
प्र + आंगन = प्रांगण
शश + अंक = शशांक (चन्द्रमा) [शश = खरगोश, अंक: गोद]
महती + इच्छा = महतीच्छा
फणी + ईश = फणीश (शेषनाग)
रजनी + ईश = रजनीश (चन्द्रमा)

दीर्घ सन्धि की पहचान –

दीर्घ सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशतः आ, ई, ऊ की मात्राएँ आती है और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

शक + अन्धु = शकन्धु
कर्क + अन्धु = कर्कन्धु
पितृ + ऋण = पितृण
मातृ + ऋण = मातृण
} अपवाद

विश्व + मित्र = विश्वामित्र
मूसल + धार = मूसलाधार
मनम् + ईषा = मनीषा
युवत् + अवस्था = युवावस्था
} अपवाद

(ii) गुण सन्धि-

नियम (1) - यदि अ/आ के बाद इ/ई आए तो दोनों के स्थान पर 'ए' हो जाता है अर्थात्

अ/आ + इ/ई = ए = ऐ

नियम (2) - यदि अ/आ के बाद उ/ऊ आए तो दोनों के स्थान पर 'ओ' हो जाता है अर्थात्

अ/आ + उ /ऊ = ओ = औ

नियम (3) – यदि अ/आ के बाद ऋ आये तो दोनों के स्थान पर 'अर्' हो जाता हैं हो जाता हैं | अर्थात

अ/आ + ऋ = अर्
ए ओ + अर् = गुण

अ	इ	उ	ऋ
+	+	+	+
अ	इ	उ	ऋ

= = = =

आ ई ऊ x - दीर्घ

जैसे –

गज + इन्द्र = गजेन्द्र

गज् + अ + इन्द्र

गज् एन्द्र

गजेन्द्र

गज् ए न्द्र

गज् अ + इन्द्र

गज + इन्द्र

जैसे-

मृग + इन्द्र = मृगेन्द्र (शेर)

रमा + ईश = रमेश (लक्ष्मी का पति है जो = विष्णु)

सुर + ईश = सुरेश (देवताओं का स्वामी है जो = इन्द्र)

नर + ईश = नरेश (राजा)

पर + उपकार = परोपकार

यथा + उचित = यथोचित (जितना उचित हो)

यथा + इच्छा = यथेच्छा (इच्छानुसार)

पुरुष + उत्तम = पुरुषोत्तम (मनु)

नर + उत्तम = नरोत्तम

कथा + उपकथन = कथोपकथक

गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि

महा + उदय = महोदय

सह + उदर = सहोदर (सगा भाई)

नव + ऊढ़ा = नवोढ़ा (नवविवाहिता)ऊढ़ा -युवती

राका + ईश = राकेश (रात का स्वामी = चन्द्रमा)

गुड़ाका + ईश = गुड़ाकेश (नींद का स्वामी = शिव, अर्जुन)

हृषीक + ईश = हृषीकेश (इन्द्रियों का स्वामी = विष्णु)

उमा + ईश = उमेश (शिव)

धन + ईश = धनेश (कुबेर)

हृदय + ईश = हृदयेश (कामदेव)

देव + ईश = देवेश (इन्द्र)

महा + इन्द्र = महेन्द्र (शिव)

अपवाद = प्र+ ऊढ़ = प्रौढ़

अक्ष+ऊहिनी = अक्षौहिणी (विशाल सेना)

ऋ. र ष - न्
↓
ण्

जैसे - राम + अयन = रामायण

प्र + मान = प्रमाण

शूर्प + नखा = शूर्पणखा

लक्ष् + मन = लक्ष्मण

जैसे- देव + ऋषि = देवर्षि

देव् + अ + ऋषि

देव् अर् षि
↓
देवर्षि

सप्त + ऋषि = सप्तर्षि

कण्व + ऋषि = कण्वर्षि

ग्रीष्म + ऋतु = ग्रीष्मर्तु

महा + ऋषि = महर्षि

राजा + ऋषि = राजर्षि

ब्रह्म + ऋषि = ब्रह्मर्षि

वर्षा + ऋतु - वर्षर्तु

महा + ऋण = महर्ण

गुण सन्धि की पहचान –

गुण सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशतः ए, ओ की मात्राएँ या र् आता है र् और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

(ii) वृद्धि सन्धि –

नियम (1)- यदि अ/आ के बाद ए/ऐ आए तो दोनों के स्थान पर ऐ हो जाता है अर्थात

अ/आ + ए/ऐ = ऐ

नियम (2)- यदि अ/आ के बाद ओ।औ आए तो दोनों के स्थान पर औ हो जाता है अर्थात्

अ/आ + ओ/औ = औ

ऐ औ – वृद्धि

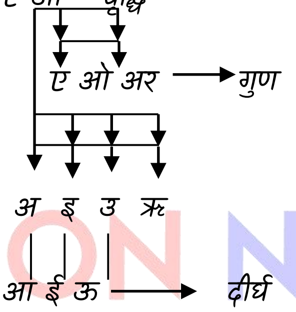

जैसे:- एक + एक = एकैक

एक् अ + एक

एक् ऐ क

एकैक

एक् ऐ क

एक् अ + ए क

एक + एक

सदा + एव = सदैव

वसुधा + एव = वसुधैव

स्व + ऐच्छिक = स्वैच्छिक

महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य

जल + ओघ = जलौघ (जल की लहर)

परम + ओजस्वी = परमौजस्वी

वन + औषधि = वनौषधि

महा + औषधि =महौषधि

मत + ऐक्य = मतैक्य

हित + एषी = हितैषी

धन + एषणा –धनैषणा

पुत्र + एषणा = पुत्रैषणा

परम + औदार्य = परमौदार्य (अधिक उदार)

महा + औचित्य - महौचित्य

महा + ऐन्द्रजालिक = महैन्द्रजालिक (महान् जादूगर)

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

पहचान –

वृद्धि सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशतः ऐ, औ की मात्राएँ आती हैं और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

शुद्ध + ओदन = शुद्धोदन : (शुद्ध चावल)
दन्त + ओष्ठ = दन्तौष्ठ
अधर + ओष्ठ = अधरौष्ठ
बिम्ब + ओष्ठ = बिम्बौष्ठ
} अपवाद

(iv) यण सन्धि –

नियम - यदि इ/ई, उ/ऊ, ऋ के बाद असमान स्वर आए तो इ/ई के स्थान पर य् उ/ऊ के स्थान पर व् तथा ऋ के स्थान पर र् हो जाता है।

यदि + अपि = यद्यपि	सु + आगत = स्वागत
यद् इ +अपि	स उ + आगत
यद् य् + अपि	स व + आगत
यद्यपि	स्वागत
√ यदि + अपि	√ सु + आगत
x यदी	x सू

जैसे -

नि + ऊन = न्यून
वि + अय = व्यय
वि + आयाम = व्यायाम
अति + आचार = अत्याचार
अति + अन्त = अत्यन्त
अति + अधिक = अत्यधिक
अति + उक्ति = अत्युक्ति प्रयाशा
प्रति + आशा = प्रयाशा
प्रति + एक = प्रत्येक
परि + आप्त = (पर्याप्त चारों ओर से आना)
रीति + अनुसार = रीत्यनुसार
नदी + आमुख = नद्यामुख
गति + अवरोध = गत्यवरोध
मधु + अरि = मध्वरि (रीछ, भालू, भंवरा, मधुमक्खी, दुर्गा,कृष्ण)
सु + अच्छ = स्वच्छ
साधु + आचरण = साध्वाचरण
पृथ्वी + आधार = पृथ्व्याधार
परि + आवरण = पर्यावरण
परि + अटन = पर्यटन (चारों ओर घूमना)
वाणी + औचित्य = वाण्यौचित्य
गुरु + औदार्य = गौदार्य
अनु + इति = अन्विति
स्त्री + उचित = स्त्र्युचित
नारी + उत्थान = नार्युत्थान
पितृ = आज्ञा = पितृज्ञा
मातृ +आज्ञा =मात्राज्ञा
पितृ + उपदेश = पित्रुपदेश
मातृ + इच्छा = मात्रिच्छा
पितृ + अनुमति पित्रनुमति
मातृ + आदेश = मात्रादेश
धातृ + अंश = धात्रंश
दातृ + उदारता = दात्रुदारता
भातृ + अकाष्ठ = भात्रुकष्ठा

पहचान -

यण सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशतः य्, व्, र् से पहले आधा वर्ण आता है, और इनका विच्छेद इन्हीं वर्णों से किया जाता है।

अयादि सन्धि -

नियम - यदि ए, ऐ,ओ,औ के बाद कोई भी स्वर आए तो ए के स्थान पर अय्, ऐ के स्थान पर आय्, ओ के स्थान पर अव् तथा औ के स्थान पर आव् हो जाता है।

ने + अन = नयन	गै + इका = गायिका
न् ए + अ न	ग् + ऐ + इका
न् अय् + अन	ग् आय् + इका
नयन	गायिका
न् अ य् अ न् अ	गै + इका

न् ए अन
ने + अन
पे + अन
पावक पवन पो + अन
शे + अन = शयन
नै + अक = नायक
भो + अन = भवन
पौ + अक = पावक
नौ + इक = नाविक
धावक = धौ + अक
हवन = हो + अन
गायक = गै + अक
चयन = चे + अन
कवि = को + इ
अयादि = ए + आदि
आय = ऐ + अ
भव = भो + अ
हो + इ = हवि (हवन सामग्री)
सै + अक = सायक (तीर)
श्रौ + अक = श्रावक (जैन उपासक)
शो + अक = शावक
श्रो + अन = श्रवण

पहचान –

अयादि सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशतः य् या व् वर्ण आते हैं लेकिन इनसे पहले कोई भी आधा वर्ण नहीं आता है।

अपवाद – गो + अक्ष = गवाक्ष
गव + अक्ष
गो + अ + अक्ष

	ससुर	ससुराल
जा	भती	भतीजा
	भान	भानजा
आ	प्यास	प्यासा
	भूख	भूखा
	ठंड़	ठंडॉ
आलू	दया	दयालु
	कृपा	कृपालु
इक	व्यवहार	व्यावहारिक
	व्यवसाय	व्यावसायिक
	परिश्रम	पारिश्रमिक
	समूह	सामूहिक
	कल्पना	काल्पनिक
मान	शक्ति	शक्तिमान
	शोभा	शोभायमान
	बुद्धि	बुद्धिमान
कीय	राज	राजकीय
	नाभ	नाभिकीय
शाली	गौरव	गौरवशाली
	प्रतिभा	प्रतिभाशाली
	शक्ति	शक्तिशाली

4) <u>अप्रत्यय वाचक (संतान वाचक) तद्धित प्रत्यय</u> – वे प्रत्यय जो किसी संज्ञा के अंत में जुड़कर उत्पन्न होने अर्थात संतान के अर्थ का बोध कराते हैं, संतान बोधक/अप्रत्यय वाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं ।

प्रत्यय	मूलशब्द	तद्धितान्त
एय	अंजनी	आंजनेय
	अतिथि	आतिथेय
	पुरुष	पौरुषेय
	राधा	राधेय
आयन	दंड़	दंड़ायन
	नार	नारायण
	कात्य	कात्यायन
अ	यदु	यादव
	दनु	दानव
	अदिति	आदित्य
इ	वाल्मीक	वाल्मीकि
	दशरथ	दशरथी
य	पुलस्ति	पौलस्त्य
	चतुर्मास	चातुर्मास्य
आमह	पितृ	पितामह
	मातृ	मातामह
ई	पर्वत	पार्वती
	गांधार	गांधारी

5) ऊनतावाचक / लघुतावाचक / हीनतावाचक <u>तद्धित प्रत्यय</u> – वे प्रत्यय जो किसी संज्ञा शब्दों के साथ जुड़कर उनके छोटे/लघु रूप का बोध कराते हैं, ऊनतावाचक/ लघुतावाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।

प्रत्यय	मूलशब्द	तद्धितान्त
इया	बिंदी	बिंदिया
	खाट	खटिया
	लाठा	लठिया
ई	रस्सा	रस्सी
	प्याला	प्याली
	हथोड़ा	हथोड़ी
	थाल	थाली
आ	लालू	लालुआ
	कालू	कलुआ
री	कोठा	कोठारी
	मोट	मोटरी
	बांस	बाँसुरी
ली	खाज	खुजली
	ढ़प	ढ़पली
	टीका	टिकली
ड़ी	टांग	टँगड़ी
	पंख	पंखड़ी
	आंत	आंतड़ी
ड़ॉ	मुख	मुखड़ा
	लँग	लंगड़ा
	चाम	चमड़ा
सा	लाल	लालसा
	थोड़ा	थोड़ासा
	छोटा	छोटासा
	उड़ता	उड़तासा
ओला	घड़ा	घड़ोला
	सांप	सँपोला
	गढ़	गदोला
वा	बच्चा	बचवा
	पुर	पुरवा

6) <u>स्त्रीबोधक तद्धित प्रत्यय</u> – वे प्रत्यय जो किसी संज्ञा के अंत मे जुड़कर स्त्री जाती का बोध कराते हैं, अर्थात पुल्लिंग से स्त्रीलिंग शब्दों का निर्माण करते हैं, स्त्रीबोधक तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।

प्रत्यय	मूल शब्द	तद्धितान्त
इन	नाग	नागिन
	पड़ोसी	पड़ोसिन
नी	ऊंट	ऊटनी
	मोर	मोरनी
ई	घोड़ा	घोड़ी
	टोकरा	टोकरी

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नूपुर	=	नुपुर
प्रतिनिधी	=	प्रतिनिधि
वधु	=	वधू

अन्य कारण-उपर्युक्त कारणों के अतिरिक्त वर्तनी अशुद्धि के और भी कई कारण हो सकते हैं।

इस्कूल	=	स्कूल
इस्नान	=	स्नान
कृष्णा	=	कृष्ण
गुप्ता	=	गुप्त
कालेज	=	कॉलेज
वालीबाल	=	वॉली बॉल
बारहवी	=	बारहवीं
तियालीस	=	तैंतालीस
सहाब	=	साहब

अध्याय – 8

वाक्य-शुद्धि

अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करना

शब्द शुद्धि के साथ वाक्य शुद्धि का भी भाषा में महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। वाक्य में अनावश्यक शब्द प्रयोग से, अनुपयुक्त शब्द के प्रयुक्त होने से, सही क्रम या अन्विति न होने से, लिंग, वचन, कारक का सही प्रयोग नहीं होने से, सही सर्वनाम एवं क्रिया का प्रयोग न होने से वाक्य अशुद्ध हो जाता है। जो अर्थ के साथ भाषा सौन्दर्य को हानि पहुंचाता है।

1. अनावश्यक शब्द के कारण वाक्य अशुद्धि :

समान अर्थ वाले दो शब्दों या विपरीत अर्थ वाले शब्दों के एक साथ प्रयोग होने तथा एक ही शब्द की पुनरावृत्ति पर वाक्य अशुद्ध हो जाता है। अतः किसी एक अनावश्यक शब्द को हटाकर वाक्य शुद्ध बनाया जा सकता है। इनमें दोनों शब्दों में से किसी एक को हटाना होता है। अतः दोनों रूपों में वाक्य सही हो सकता है। यहाँ एक रूप ही देंगे।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. मैं प्रातः काल के समय पढ़ता हूँ।	1. मैं प्रातः काल पढ़ता हूँ।
2. जज ने उसे मृत्यु दण्ड की सजा दी।	2. जज ने उसे मृत्यु दण्ड दिया।
3. इसके बाद फिर क्या हुआ ?	3. इसके बाद क्या हुआ ?
4. यह कैसे सम्भव हो सकता है ?	4. यह कैसे संभव है ?
5. मेरे पास केवल मात्र एक घड़ी है।	5. मेरे पास केवल एक घड़ी है।
6. तुम वापस लौट जाओ।	6. तुम वापस जाओ।
7. सारे देश भर में यह बात फैल गई।	7. सारे देश में यह बात फैल गई।
8. वह सचिवालय कार्यालय में लिपिक है।	8. वह सचिवालय में लिपिक है।
9. विन्ध्याचल पर्वत हिमालय से प्राचीन है।	9.विन्ध्याचल हिमालय से प्राचीन है।
10. नौजवान युवक युवतियों को आगे आना चाहिए।	10. नौजवानों को आगे आना चाहिए।
11. किसी और दूसरे से परामर्श लीजिए।	11. किसी और से परामर्श लीजिए।
12. सप्रमाण सहित उत्तर दीजिए।	12. सप्रमाण उत्तर दीजिए।
13. गुलामी की दासता बुरी है।	13. गुलामी बुरी है।

14. प्रशान्त बहुत सज्जन पुरुष है।	14. प्रशान्त बहुत सज्जन है।
15. शायद आज वर्षा अवश्य आयेगी।	15. शायद आज वर्षा आयेगी।
16. शायद वह जरूर उत्तीर्ण हो जायेगा।	16. वह जरूर उत्तीर्ण हो जायेगा।
17. कृपया शीघ्र उत्तर देने की कृपा करें।	17. कृपया शीघ्र उत्तर दें।
18. वह गुनगुने गरम पानी से नहाता है।	18. वह गुनगुने पानी से नहाता है।
19. गरम आग लाओ।	19. आग लाओ।
20. तुम सबसे सुन्दरतम हो।	20. तुम सबसे सुन्दर हो।

2. <u>अनुपयुक्त शब्द के कारण :</u>

वाक्य में अनुपयुक्त शब्द प्रयुक्त हो जाने से भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है अतः अनुपयुक्त शब्द हटाकर उस स्थान पर उपयुक्त शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. सीता राम की स्त्री थी।	1. सीता राम की पत्नी थी।
2. रातभर गधे भौंकते रहे।	2. रातभर कुत्ते भौंकते रहे।
3. कोहिनूर एक अमूल्य हीरा है।	3. कोहिनूर एक बहुमूल्य हीरा है।
4. बन्दूक एक शस्त्र है।	4. बन्दूक एक अस्त्र है।
5. आकाश में तारे चमक रहे हैं।	5. आकाश में तारे टिमटिमा रहे हैं।
6. आकाश में झण्डा लहरा रहा है।	6. आकाश में झण्डा फहरा रहा है।
7. उसकी भाषा देवनागरी है।	7. उसकी लिपि देवनागरी है।
8. वह दही जमा रही है।	8. वह दूध जमा रही है।
9. साहित्य व समाज का घोर संबंध है।	9. साहित्य व समाज का घनिष्ठ संबंध है।
10. उसके गले में बेड़ियाँ पड़ गई।	10. उसके पैरों में बेड़ियाँ पड़ गई।
11. हाथी पर काठी बाँध दो।	11. हाथी पर हौदा रख दो।
12. चिन्ता एक भयंकर व्याधि है।	12. चिन्ता एक भयंकर आधि है।
13. गगन बहुत ऊँचा है।	13. गगन बहुत विशाल है।
14. वह पाँव से जूता निकाल रहा है।	14. वह पाँव से जूता उतार रहा है।
15. कृपया मेरी सौभाग्यवती कन्या के विवाह में पधारें।	15. कृपया मेरी सौभाग्याकांक्षिणी कन्या के विवाह में पधारें।
16. उसे अपनी योग्यता पर अहंकार है।	16. उसे अपनी योग्यता पर गर्व है।

17. राष्ट्रपति ने पुरस्कार भेंट किए।	17. राष्ट्रपति ने पुरस्कार प्रदान किए।
18. कृष्ण ने कंस की हत्या की।	18. कृष्ण ने कंस का वध किया।
19. विख्यात आतंकवादी मारा गया।	19. कुख्यात आतंकवादी मारा गया।

3. <u>लिंग सम्बन्धी :</u>

वाक्य में प्रयुक्त शब्द के अनुसार उचित लिंग का प्रयोग न होने से भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. यह एकांकी बहुत अच्छी है।	1. यह एकांकी बहुत अच्छा है।
2. मेरे मित्र की पत्नी विद्वान है।	2. मेरे मित्र की पत्नी विदुषी है।
3. मीरां एक प्रसिद्ध कवि थी।	3. मीरां एक प्रसिद्ध कवयित्री है।
4. बेटी पराये घर का धन होता है।	4. बेटी पराये घर का धन होती है।
5. सत्य बोलना उसकी आदत था।	5. सत्य बोलना उसकी आदत थी।
6. बुआजी आप क्या कर रहे हैं?	6. बुआजी आप क्या कर रही हैं?
7. आत्मा अमर होता है।	7. आत्मा अमर होती है।
8. सेनापति को प्रणाम करनी पड़ती है।	8. सेनापति को प्रणाम करना पड़ता है।
9. ब्रह्मपुत्र असम में बहता है।	9. ब्रह्मपुत्र असम में बहती है।
10. वह स्त्री नहीं मूर्तिमन्त करुणा है।	10. वह स्त्री नहीं मूर्तिमयी करुणा है।
11. जया एक बुद्धिमान बालिका है।	11. जया एक बुद्धिमती बालिका है।
12. उसका ससुराल जयपुर में है।	12. उसकी ससुराल जयपुर में है।
13. तूफान मेल तेजी से आ रही है।	13. तूफानमेल तेजी से आ रहा है।
14. गंगा पतितपावन नदी है।	14. गंगा पतित पावनी नदी है।
15. रामायण हमारी भक्ति ग्रंथ है।	15. रामायण हमारा भक्तिग्रंथ है।
16. उसके हाथ की वस्तु आम थी।	16. उसके हाथ की वस्तु आम था।
17. वह अपने धुन में जा रहा है।	17. वह अपनी धुन में जा रहा है।

4. <u>वचन सम्बन्धी</u> :

हिन्दी में कुछ शब्द सदैव बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं अतः उनका उचित बोध न होने पर तथा कर्ता एवं कर्म के वचन

Chapter -2

Active and passive Voice

I	-	me
He	-	him
She	-	her
They	-	them
We	-	us
You	-	you
Name	-	Name
It	-	It

(1). Present indefinite:-

Active:-Sub.+ verb(1) + O(1) +O(2)

Passive:-O(1) + is/are/am + verb(3) + O(2) + by +sub.

Ex. :- I call him in the market.
He is called in the market by me.

Ex. :- you help me in this work.
I am helped in this work by you.

Ex. :- I invite her at my house.
She is invited at my house by me.

Negative :-

Active :- Sub.+ do not / does not + verb(1) + O(1)+ O(2).

Passive:-O(1) + is/are /am + not + verb(3) + O(2)+ by + sub.

Ex.:- she does not cook food for us.
Food is not cooked for us by her.

Ex.:- I do not send them to my home.
They are not sent to my home by me.

Interrogative :-

Active :- Do/does+ sub. + verb(1) + O(1) + O(2)

Passive:-Is/are/am + O(1)+ verb(3) + O(2) + by+ sub.

Ex.:- Do I call him in the market.
Is he called in the market by me.

Ex.:- Does he beat us with a stick.
Are we beaten with stick by him.

Ex.:- Does Ram take me there.
Am I taken there by Ram.

Ex.:- Do you buy a house in Jaipur.
Is a house bought in Jaipur by you.

Interrogative negative :-

Active :- Do/does + sub.+ not + O(1) + O(2)

Passive:-Is/are/am +O(1) + not + verb(3) + O(2)+ by+ sub.

Ex. :- Does he not dig some holes in the ground.
Are some holes not dug in the ground by him.

Ex.:- Do we not write a book for them.
Is a book not written for them by us.

Present continuous :-

Active :- Sub + is/are/am + verb(ing) + O(1)+O(2)

Passive:-O(1) + is/are/am +being + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex. :- I am driving a car in the ground.
A car is being driven in the ground by me.

Ex.:- she is cooking food for us.
Food is being cooked for us by her.

Negative:-

Active :- sub. + is/are/am+ not + verb(ing) + O(1)+ O(2)

Passive:-O(1) + is/are/am + not + being + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex. :- Ram is not planting some plants there.
Some plants are not being planted there by Ram.

Ex. :- my father is not giving me some money.
I am not being given some money by my father.

Interrogative :-

Active :- Is/are/am + sub. + verb(ing) + O(1) + O(2).

Passive:-Is/are/am + O(1) + being+ verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- is she making a chair for us.
Is a chair being made for us by her.

Ex.:- are you help me in this work.
Am I helped in this work by you.

Interrogative negative :-

Active :- Is/are/am + sub. + not + verb(ing) + O(1) +O(2)

Passive:-Is/are/am +O(1) +not + being + verb(3)+ O(2) + by+ sub.

Ex.:- are you not lending me some money.
Am I not being lent some money by you.

Ex.:- is he not buying some books for us.
Are some books not being bought for us by him.

Rule No. -1 :- object -2 से भी passive voice बनाया जा सकता है लेकिन केवल उसी परिस्थिति में O(2) से passive बनाया जाता हों तों object -1 को ज्यों का त्यों verb की 3rd form के बाद लिख दिया जाता है | लेकिन उससे पहले To preposition का प्रयोग करते हैं |

Ex.:- I am giving him some books.

Some books are being given to him by me.
Ex.:- we are not landing them a book.
Book is not being lent to them by us -O(2) से
They are not being lent a book by us - O(1) से

Present perfect tense :-

Active :-Sub. + has/have + verb(3) + O(1) + O(2)
Passive:-O(1) + has/have + been + verb(3) + O(2) + by + sub.
Ex.:- she has provided him some books.
Some books have been provided to him by her. - O(2) से बनाया
He has been provided some books by her.-O(1) से बनाया.
Ex.:- He has seen me with Ram.
I have been seen with Ram by him.

Negative :-
Active :- sub.+ has/have + not + verb(3) + O(1)+ O(2)
Passive:-O(1) +has/have + not + been + verb(3)+ O(2) +by + sub.
Ex.:- He has not lent her some money.
She has not been lent some money by him.
Ex.:- she has not seen me with Ram.
I have not been seen me with Ram by her.

Interrogative :-
Active :- Has/Have + sub.+ verb(3) + O(1) + O(2)
Passive :- Has/Have +O(1) +been + verb(3) + O(2) +by +sub.
Ex.:- Have you given them some books.
Have they been given some books by you.- O(1) से बनाया
Have some books been given to them by you. - O(2) से बनाया

Interrogative negative :-
Active :- Has/Have +sub. + not+ verb(3) + O(1)+ O(2).
Passive :- Has/Have + O(1) + not + been + verb(3) + O(2) + by + sub.
Ex.:- Has Ram not planted some plants there.
Have some plants not been planted there by Ram.
Ex.:- Have you not invited them in this party.
Have they not been invited in this party by you.

Past indefinite :- सामान्यतः passive बनाते समय sub को by के साथ वाक्य के अंत में लिख दिया जाता है। लेकिन कुछ ऐसे Noun और Pronoun होते हैं । जिन्हे by के साथ वाक्य के अंत में लिखना जरूरी नहीं होता है । और यदि लिख देते हैं तो उन्हें गलत नहीं मानते हैं ।
लेकिन परीक्षा में विकल्प में दो प्रकार से Answer दिए गए हैं तो जिस Answer में उन्हें by के साथ नहीं लिखा गया है। उसी Answer को सही मानेंगे ।
जैसे :- police, Army, people, crowd, Mob, one, they.

Something	**Someone**	**somebody**
Anything	Anyone	Anybody
Nothing	No one	Nobody
Everything	Everyone	Everybody

Active :- Sub. + verb(2) + O(1) +O(2)
Passive :- O(1) + was/were + verb(3) + O(2) + by+ sub.
Ex.:- I gave them some money.
Some money was given to them by me. - O(2) से बनाया
They were given some money by me. - O(1) से बनाया
Ex.:- police arrested the Thief in the market.
The thief was arrested in the market by police.

Negative :-
Active :- sub+ did not + verb(1) + O(1)+ O(2)
Passive :- O(1)+ was/were + not + verb(3) + O(2) + by + sub.
Ex.:- He did not planted some plants there.
Some plants were not planted there by him.
Ex.:- I did not make a chair for them.
A chair was not made for them by me.

Interrogative :- did not + sub + verb(1) + O(1)+ O(2)
Was/were +O(1) + verb(3) + O(2) + by+ sub.
Ex.:- did you gift them a car.
Were they gifted a car by you. - O(1) से बनाया
Was a car gifted to them by you. - O(2) से बनाया

Past continuoues :-
Active :- sub+ was/were + verb(ing) + O(1) + O(2)
Passive :- O(1) + was/were + being + verb(3) + O(2) + by+ sub
Ex.:- I was making them fool
They were being made fool by me.
Fool was being made to them by me.
Ex.:- Ram was sounding something for us.
Something was being sout for us by Ram.

Negative :- Active :- sub+ was/were + not + verb(ing) + O(1)+ O(2)

Chapter – 7

Correction of sentences

- ***Subject and Verb Agreement***

Rule 1

कुछ वाक्य ऐसे होते हैं जिनमें singular subject होते हुए भी Plural verb का प्रयोग किया जाता है।

(A) जब वाक्य में 'कल्पना' का भाव या असम्भव प्रायः शर्त का भाव प्रदर्शित होता है। जैसेः

- I wish I were the Prime Minister.
- I wish I were a bird.
- Were he is a king.
- Were she an eagle, she would fly to me.
- She ordered as if she were my mother.
- If I were you, I would kill him.

इन सब वाक्यों में एक कल्पना का भाव, एक असम्भव प्रायः शर्त का भाव प्रदर्शित हो रहा है। इस प्रकार के वाक्यों में 'were' का प्रयोग Singular subject के साथ होता है।

(B) जब वाक्यों में verbs; bless, save, help, live का प्रयोग इच्छा, अभिलाषा; (desire, wish) या आशीर्वाद का भाव प्रकट करता है तो singular subject के साथ भी bless, save, help, live, की plural form का प्रयोग करता है (अर्थात् blesses, saves, helps या lives की तरह इनका प्रयोग नहीं किया जा सकता है। जैसेः

1. God save the queen.
2. God help you.
3. Long live the king.
4. God bless you with a son.

(C) जबकि वाक्य में Dare एवं Need का प्रयोग Modals की तरह किया जाता है, तो Subject, Singular होने पर भी Dare एवं Need रहते हैं। (Dares या Needs नहीं होते हैं। इसके बारे में विस्तार से Modal verbs में बताया गया है।

नीचे लिखे वाक्यों पर ध्यान दें:

(1) He need not to go there. (Needs नहीं होगा)

(2) She dare not oppose your proposal. (Dares नहीं होगा)

(3) Need he go there?

(4) One need not write anything to him.

(5) Dare she oppose you?

(6) He dare not speak like this.

उपरोक्त वाक्यों में 'Dare' एवं 'Need' का प्रयोग Modal Auxiliary verb की तरह हुआ है। Generally in negative and interrogative sentences 'Dare' and 'Need' are used as Modals.

Rule 2

यदि दो अलग-अलग Noun, एक ही व्यक्ति या वस्तु के लिए प्रयुक्त हो तो Verb-Singular लगती है। जैसेः

(a) The poet and painter has died.

(b) The Project Director and Additional Collector is on tour.

(c) The clerk and counsellor was present in the meeting.

यहाँ poet, painter, Project, Director, Additional Collector एवं clerk, counsellor एक ही व्यक्ति के लिए प्रयुक्त हुए हैं। यह भी ध्यान रखे कि ऐसे वाक्यों में Article का प्रयोग Noun के साथ ही होता है।

Rule 3

दो Noun जो यद्यपि समानार्थक नहीं हैं, लेकिन एक Phrase की तरह प्रयुक्त होते हैं तो भी Verb-Singular लगती है। Actually ये दो Noun एक ही idea को व्यक्त करते हैं। जैसे:

(A)Bread and butter is a good breakfast.

(B) Slow and steady wins the race.

(C)"Early to bed, early to rise" is a good habit.

(D) Pen and ink is needed by me.

Rule 4

जब दो या अधिक singular nouns; or, either...or, neither ...nor से जोड़े गए हों तो Verb, singular लगती हैं जैसेः

(a) No man or woman was present there. loss.

(b) Either Sita or Ram was present in the party.

(C) Neither he nor she is responsible for this loss.

Rule 5

यदि दो या अधिक Subjects; Either ...or, Neither...nor, or से जुड़े हुए हों तथा different persons के हों तो Verb अपने पास वाले Person के अनुसार ही लगती है। जैसेः

a) Either you or I am to go there.
b) Neither he nor you are to attend them.
c) You or Ramesh is responsible for the loss.
d) He or I am to go there.

Rule 6

जब एक Collective noun जैसे : Committee, Army, Crowd, Mob, Society, Assembly, Parliament, Council, Crew, Staff, Jury, Fleet, Majority इस तरह से प्रयुक्त होती है, जैसे एक Unit (इकाई) हो तो Verb Singular लगती है। जैसेः

A. The Parliament has passed the bill.
B. Army was deployed at the border.
C. The fleet has reached the port.
D. The Assembly is in session now-a-days
E. The mob moves towards Parliament.
F. The jury has taken a unanimous decision.

Rule 7

कुछ Nouns जो देखने में Plural लगते हैं, लेकिन अर्थ में Singular होते हैं ऐसे Noun के साथ Verb singular लगती है। ऐसे Nouns निम्नलिखित हैं:

Physics, Mathematics, Economics, News, Gallows, Billiards, Innings, Wages, Alms etc.

A. No news is good news.
B. Physics/Economics/Maths is a good subject.
C. Billiards is a game.
D. First innings was spoiled due to rain.

Rule 8

Each एवं Every के साथ जुड़े हुए singular noun (each एवं every के साथ हमेशा Singular noun ही आता है) के साथ Verb singular लगती है। जैसे:

A. Each boy and girl has to attend the function.
B. Every man, woman and child was happy to meet with the President.
C. Each minute and each second is precious.
D. Each male and every female was protesting against that law.

Rule 9

कुछ Noun जो दिखने में singular होते हैं, लेकिन अर्थ में Plural होते हैं, के साथ Plural verb ही प्रयोग में आती हैं, जैसे : Dozen, Hundred, Million, Cattle, People, Score, Thousand, Gentry, Police, Peasantry, Company, Alphabet, Progeny, Offspring, Clergy, Infantry etc.

a. The cattle are grazing in the field.
b. A score were saved by him.
c. Not less than a dozen were injured.
d. The people were fully satisfied,

Rule 10

जब किसी वाक्य में Other या another के बाद कोई Noun आए तो ध्यान रखें other के बाद Plural Noun एवं Plural Verb लगती है तथा another के बाद Singular Noun एवं Singular Verb का प्रयोग किया जाता है। जैसे:

A. There are so many other hotels better than this.
B. There is another hotel near the Railway Station.

Rule 11

The poor, The rich, The disabled, The young, The old, The English, The French इत्यादि पूरी Class को व्यक्त करते हैं (The poor का अर्थ है सभी गरीब लोग, The rich का अर्थ होता है सभी धनी लोग) इनके साथ Plural verb का प्रयोग किया जाता है एवं The poors, The riches लिखना गलत है। जैसे:

A. The poor are trustworthy.
B. The rich are generally unkind to the poor.

Rule 12

जब दो Singular Subjects को and से जोड़ा जाता है, तो Verb Plural लगती है। जैसे:

(a) He and she were present in the function. (b) Ram and Rahim are friends

Rule 13

यदि एक वाक्य में Most of के बाद Countable noun आता है तो ध्यान रखें वह Plural ही आएगा तथा उसके बा Verb भी Plural ही लगेगी लेकिन Noun यदि Uncountable आता है तो Verb-Singular लगती है। जैसे:

(a) Most of the persons are dishonest.
(b) Most of apples are rotten.
(c) Most of the milk was impure.
(d) Most of the sugar was with water.

Rule 14

कुछ nouns, जैसे furniture, luggage, information, advice, work, knowledge, equipment, behaviour, scenery, traffic, fruit, electricity, music, progress, weather, nonsense, sense, etc. uncountable noun इनको Pluralise नहीं किया जा सकता है अर्थात् furniture को furnitures लिखना या information को informations लिखना पूर्णतया गलत है। इनसे पहले article - a/an का प्रयोग भी नहीं किया जा सकता है एवं इनके साथ हमेशा Singular verb का प्रयोग होता है। जैसे:

a. Work is worship.
b. Knowledge is power.
c. His behaviour was not proper.
d. His advice in the matter is trustworthy.

Rule 15

कई वाक्यों में Singular noun का Repetition, preposition के बाद होता है ऐसे वाक्यों में Singular Verb लगती है। जैसे:

A. Man after man was coming there.
B. One month after another has passed.
C. Ship after ship is arriving regularly
D. He begs from door to door.

Rule 16

कुछ Noun जो दिखने में भी Plural लगते हैं, दो भागों में बने होते हैं जैसे: Scissors, pants, trousers, binoculars, tongs, spectacles, shorts, breeches, shoes, scales, glasses, goggles etc. इनके साथ Plural verb का ही प्रयोग किया जाता है। जैसे:

A. My shoes are new.

- सम्प्रेषण प्रबन्धन
- निष्पत्ति प्रबन्धन
- विकास प्रबन्धन
- वित्तीय प्रबन्धन
- कार्मिक प्रबन्धन
- कार्यालय प्रबन्धन
- संस्थान प्रबन्धन

3.प्रदा (Output)

प्रदा के अन्तर्गत अग्रलिखित तत्त्व आते हैं-

- नवीन क्षेत्र का निर्माण।
- प्रबन्धकीय नियन्त्रण विधि।
- प्रबन्धकीय उपलब्धि।
- मनोवृत्ति, निष्पत्ति एवं रुचि परिवर्तन।
- तर्कपूर्ण चिन्तन।
- प्रबन्धकीय उपलब्धियों का प्रयोग।

शैक्षिक प्रबन्धन के कार्य

Functions of Educational Management

शैक्षिक प्रबन्धन के कार्य इस प्रकार हैं-

- स्टाफ की नियुक्ति करना ।
- समन्वय करना ।
- नियंत्रण करना ।
- एकीकरण करना ।
- नियोजन करना ।
- संगठन करना ।
- निर्देशन करना ।
- अभिप्रेरित करना ।
- सन्देशवाहक होना ।
- निर्णय लेना ।
- नव प्रवर्तन ।

विद्यालय में शैक्षिक प्रबन्धन के अन्तर्गत कक्षा कक्षा शिक्षण अधिगम सामग्री, लर्निंग कॉर्नर, पुस्तकालय पाठ्य पुस्तक, कार्यपुस्तिकाएं शिक्षक सदर्शिकाएँ एवं शब्दकोष को प्रबन्धन को सम्मिलित किया जाता है।

अध्याय - 2

राजस्थान में शैक्षिक प्रबंधन

शैक्षणिक प्रबंधन की अवधारणा और कार्य :-

शैक्षणिक प्रशासन :-

प्रशासन का अर्थ :- प्रशासन अंग्रेजी के एडमिनिस्ट्रेशन का हिंदी रूपांतरण है । एडमिनिस्ट्रेशन शब्द की व्युत्पति लैटिन शब्द मिनिस्ट्रेयर से हुई है । जिसका आशय है दूसरों की सेवा करने से है प्रशासन का अर्थ है - अधीनस्थ लोगों की सेवा प्रभावशाली ढंग से करने की कला ।

शैक्षणिक प्रबंधन :-

प्रबंधन का अर्थ – यह अंग्रेजी के management का हिंदी रूपांतरण है जिसका अर्थ उया आशय है - उपलब्ध संसाधनों का दक्षता पूर्वक तथा प्रभावपूर्ण तरीके से उपयोग करते हुए लोगों के कार्यों में समन्वय करना ताकि लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके ।

यह एक महत्वपूर्ण क्षेत्र जहाँ मानव के द्वारा मानव का निर्माण कार्य किया जाता है । एक विद्यालय से लेकर उसके साथ जुडी बड़ी या छोटी कार्य योजना जिसका मूल ध्येय शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करना है । इसलिए यह शैक्षिक प्रबंधन का एक हिस्सा है ।

प्रसिद्ध दार्शिनिक अरस्तु ने कहा था शिक्षा का कार्य स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण करना है ।

शैक्षणिक प्रशासन और शैक्षणिक प्रबंधन में अन्तर

शैक्षणिक प्रशासन :-

1. प्रशासन शब्द एक परिधि से मुक्त शब्द है ।
2. यह लक्ष्यों व उद्देश्यों को निर्धारित करता है ।
3. यह वित्त, उत्पादन तथा वितरण का समन्वय करता है ।
4. यह प्रभावी निर्देशन सुनिश्चित करता है ।
5. इसकी भूमिका निर्धारणात्मक होती है ।
6. यह निर्देशन, नियंत्रण एवं नेतृत्व करता है ।
7. यह संगठन की युक्ति निकलता है ।

शैक्षणिक प्रबंधन :-

1. यह प्रबंधन प्रशासन की परिधि में आता है ।
2. यह लक्ष्यों व उद्देश्यों को प्राप्त करने के प्रयास करता है ।
3. यह लक्ष्य प्राप्त हेतु अन्य कार्यों का समन्वय करता है ।
4. यह प्रभावी कार्य निष्पादन सुनिश्चित करता है ।
5. इसकी भूमिका क्रियात्मक होती है ।
6. यह लोगों के साथ काम करके काम करवाता है । एवं संगठित तरीके से अन्य संसाधनों का उपयोग करता है ।
7. यह संगठन का उपयोग करता है ।

शैक्षणिक प्रबंधन की परिभाषा :-

डॉ. एस.एन.मुखर्जी :- शिक्षा प्रशासन सामग्री के साथ साथ मानवीय सबंधों की व्यवस्था से संबंधित है अर्थात व्यक्तियों को हिल-मिलकर उत्तम रूप में कार्य करने से है ।

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नई शिक्षा नीति 1986 :- *के अनुसार शैक्षिक प्रशासन का अर्थ ऐसे प्रशासन से है, जो समाज तथा व्यक्ति की आवश्यकतानुसार शिक्षा की व्यवस्था कर एक ओर व्यक्ति को न केवल आत्मनिर्भर बना सके वरन उसे समाजोपयोगी नागरिक के रूप में भी विकसित का सके ।*

कैम्बेल :- *शैक्षिक प्रशासन में शिक्षण व सिखने की प्रक्रिया से संबंधित लक्ष्यों एवं नीतियों के विकास को प्रोत्साहित करने वाली सुविधाएँ निहित हैं । यह शिक्षण तथा सीखने के उपयुक्त कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहन प्रदान करता है। साथ ही शिक्षण एवं सीखने की प्रक्रिया को संचालित करने के लिए मानवीय तथा भौतिक तत्वों की व्यवस्था करता है । शिक्षा प्रशासन प्रबंधन वह प्रक्रिया है जिसमें कार्यरत लोगों के प्रयास को इस प्रकार समन्वित किया जाता है । जिससे मानवीय गुणों का प्रभावी ढंग से विकास हो । यह प्रकिया केवल बालकों एवं नवयुवकों के विकास तक ही सिमित नहीं है वरन इसके अंतर्गत प्रौढ कार्यकर्ताओं के विकास को भी महत्व दिया जाता है ।*

अमेरिकन विद्यालय प्रशासक संगठन :- *यह एक ऐसी समग्र प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत उपलब्ध मानवीय एवं भौतिक साधनों का उपयोग संगठन के उद्देश्यों को प्रभावशाली ढंग से पूरा करने के लिए किया जाता है ।*

शैक्षणिक प्रबंधन के संसाधन :- *इसमें दो प्रकार के संसाधन हो होते हैं । जो हैं ।*

1. *मानव संसाधन*
2. *भौतिकसंसाधन*

मानव संसाधन :- *इस श्रेणी में शामिल किये गए हैं प्रधानाचार्य या प्रधानाध्यापक, शिक्षक, शारीरिक शिक्षक, पुस्तकालया अध्यक्ष, लिपिक, प्रयोगशाला सहायक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, विद्यार्थी, अभिभावक,समुदाय इत्यादि को मानव संसाधन या मानवीय संसाधन में शामिल किया गया है ।*

भौतिक संसाधन :- *इसके अंतर्गत धन, प्रयोगशाला, खेल सामग्री, विद्यालय भवन, खेल का मैदान, छात्रावास, फर्नीचर, शिक्षण सहायक सामग्री, बोर्ड, पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएँ आदि को भौतिक संसाधन में शामिल किया गया है ।*

शैक्षिक प्रबंधन की आधुनिक अवधारणा

इसके अंतर्गत तीन आवधारणा आती है ।

1. *उत्पादन कुशलता पर बल देने वाली विचारधारा वैज्ञानिक प्रबंधन विचारधारा*
2. *मानवीय संसाधनों पर बल देने वाली विचारधारा या संप्रदाय।*
3. *सामाजिक विज्ञान संप्रदाय ।*

1. उत्पादन कुशलता पर बल देने वाली विचारधारा वैज्ञानिक प्रबंधन विचारधारा –

- *आधुनिक प्रबंधन के विकास में यह सबसे पुराणी विचारधारा है ।*
- *इस दिशा में शोचने वाले प्रारम्भिक लेखक फ्रेडरिक विंसलो टेलर थे । इस विचारधारा का समय 1910 ईसवी से 1935 ईस्वी के मध्य था ।*
- *संगठनों के कामगारों से अधिक काम लेना एवं अधिकाधिक उत्पादन करना । इस विचारधारा का प्रमुख लक्ष्य माना जाता है । इस विचारधारा को मुख्य रूप से टेलर वाद भी कहा जाता है ।*
- *फ्रेडरिक विंसलो टेलर की विचारधारा को वैज्ञानिक व्यवस्था विचार एवं मैक्स वेबर की विचारधारा को नौकरशाही व्यवस्था के नाम से भी जाना जाता है ।*
- *इस पर मुख्य रूप से तीन बातो पर बल दिया गया है*

1. *वैज्ञानिक व्यवस्था पर बल देने वाला सम्प्रदाय भी इसे ही माना जाता है ।*
2. *प्रशासनिक व्यवस्था वाला सम्प्रदाय भी इसे माना जाता है ।*
3. *नौकरशाही व्यवस्था वाला सम्प्रदाय भी इसे ही माना जाता है ।*

2. मानवीय संसाधनों पर बल देने वाली विचारधारा या सम्प्रदाय :-

- *इसका समय 1935 से 1985 तक निर्धारित किया जाता है ।*
- *इस संप्रदाय ने उत्पादन की कार्य क्षमता के महत्व को स्वीकार किया परन्तु कार्य क्षमता को प्रशासन का सर्वोपरि आधार मानने से इन्कार कर दिया ।*
- *इस सम्प्रदाय के प्रमुख समर्थक मेरी फोलेट, एल्टन, मेया तथा फ्रिट्ज रोठिलिसबर्जर है ।*

3. सामाजिक विज्ञान सम्प्रदाय :-

- *इस सम्प्रदाय की मान्यता है की प्रशासन का मुख्य कार्य संगठन को सुचारु रूप से चलाना ।*
- *इस संगठन के लक्ष्य एवं व्यक्तिगत लक्ष्य दोनों को महत्व दिया जाता है ।*
- *चेस्टर बर्नाड हर्बर्ट साइमन इस विचारधारा के प्रमुख समर्थक हैं ।*
- *इन विचारों ने प्रशासन के क्षेत्र में एक त्रिकोणीय प्रबंध संकल्पना को जन्म दिया था ।*

शैक्षणिक प्रबंधन के उद्देश्य :-

शैक्षणिक प्रबंधन का मूल उद्देश्य देश की स्थिति आवश्यकता और शैक्षणिक विकास की दृष्टि से अच्छे नागरिकों को तैयार करना है ।

- *शिक्षा संबंधी कार्यों को विधिवत संपन्न करना ।*
- *शिक्षा संबंधी नीतियाँ निर्धारित करना शिक्षा संबंधी योजनाएं बनाकर उन्हें विधिवत क्रियान्वित करना ।*
- *शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों की सहायता करना ।*
- *बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक साधन एवं सामग्री उपलब्ध कराना ।*
- *शिक्षा क्षेत्र में अनुकूल वातावरण उत्पन्न न करना ताकि शिक्षा क्षेत्र में अधिकतम उपलब्धियां प्राप्त की जा सके ।*
- *छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास किया जा सके । एवं उनके चरित्र का निर्माण करना ।*

अध्याय – 13

शिक्षा गुणवत्ता के सुधार हेतु राज्य की पहलें

शिक्षा

शिक्षा कई माध्यम से राष्ट्रीय और व्यक्तिगत कल्याण में सुधार करने में योगदान करती है हर दृष्टि से, शिक्षा विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण अंशदायी कारकों में से एक है। राज्य सरकार शिक्षा के बेहतर विकास एवं शैक्षिक आधारभूत संरचना प्रदान करके लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए ठोस प्रयास कर रही है। राज्य विभिन्न कार्यक्रमों / योजनाओं के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता एवं सम्पूर्ण सारक्षता के सदस्यों के लक्ष्यों को प्राप्त हेतु प्रयासरत् है ।

प्राम्भिक शिक्षा

प्रारम्भिक शिक्षा के क्षेत्र में, राज्य में 36, 264 राजकीय प्राथमिक विद्यालय 19,532 राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं 15,333 प्रारम्भिक कक्षाओं वाले राजकीय माध्यमिक / उच्च माध्यमिक विद्यालय हैं। डॉईस रिपोर्ट, 2020 - 21 के अनुसार कुल 64.64 लाख विद्यार्थी नामांकित हैं। प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा में गत पाँच वर्षों की नामांकन एवं शिक्षकों की संख्या की (राजकीय विद्यालयों) स्थिति तालिका- 8.1, 8.2 एवं 8.3 में दर्शाई गई है।

तालिका - 8.1 राजकीय प्राथमिक विद्यालय में नामांकन तथा शिक्षकों की संख्या

वर्ष	नामांकित विद्यार्थी (लाखों में)	शिक्षकों की संख्या (लाखों में)
2016 - 17	40.93	1.08
2017 - 18	41.27	1.09
2018 - 19	41.70	1. 45
2019 - 20	41.57	1.52
2020 - 21	42.13	1. 49

तालिका - 8.2 राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में नामांकन तथा शिक्षकों की संख्या

वर्ष	नामांकित विद्यार्थी (लाखों में)	शिक्षकों की संख्या (लाखों में)
2016 - 17	21. 96	1. 38
2017 - 18	22. 14	1. 39
2018 - 19	21. 20	1. 08
2019 - 20	20. 91	1. 16
2020 - 21	22. 51	1. 17

निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण योजना : इस योजना के अन्तर्गत राज्य सरकार राज्य पाठ्य पुस्तक मण्डल, जयपुर के माध्यम से सभी सरकारी विद्यालयों में कक्षा -1 से 8 तक के विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध करा रही हैं। सत्र 2020 - 21 में वितरित निशुल्क पाठ्य पुस्तकों के बिलों के भुगतान हेतु वित्तीय वर्ष 2021 - 22 में रु. 64. 80 करोड़ के बजट आवंटन में से, दिसम्बर, 2021 तक पाठ्य पुस्तक बोर्ड को रु. 64. 40 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

तालिका - 8.3 राजकीय माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक विद्यालय में नामांकन तथा शिक्षकों की संख्या

वर्ष	नामांकित विद्यार्थी (लाखों में)	शिक्षकों की संख्या (लाखों में)
2016 - 17	19. 67	0. 89
2017 - 18	21.16	1. 00
2018 - 19	22. 85	1. 26
2019 - 20	23. 47	1. 29
2020 - 21	25. 59	1. 34

विद्यार्थी सुरक्षा दुर्घटना बीमा योजना - यह योजना राज्य के सभी राजकीय विद्यालयों के कक्षा - 1 से 8 तक विद्यार्थियों तथा कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों एवं वैकल्पिक शिक्षा के आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए लागू है। वित्तीय वर्ष 2021 - 22 में बीमा योजना के नवीनीकरण के लिए कुल राशि रु. 565. 51 लाख का भुगतान किया जा चुका है।

प्री - मेट्रिक छात्रवृति : एस. सी., एस. टी., ओ. बी. सी., एस. बी. सी. और डी. टी. एन. टी सीमान्त क्षेत्र (ओ. बी. सी.) के छात्रों को प्री - मेट्रिक छात्रवृति प्रदान की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2021 - 22 में, इस योजना के अन्तर्गत रु. 2,650 लाख आवंटन राशि के विरुद्ध दिसम्बर, 2021 तक रु. 170. 51 लाख खर्च किए गए हैं।

विधवा / परित्यक्ता महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री सम्बल योजना : इस योजना के अन्तर्गत निजी प्रशिक्षण संस्थानों में दो वर्षीय डिप्लोमा इन अर्ली एजुकेशन (डी. एल. ए. डी.) का अध्ययन करने वाली विधवा / परित्यक्ता महिलाओं को रु. 9,000 की प्रतिपूर्ति प्रदान की जा रही है।

भामाशाह सम्मान समारोह : यह योजना 1 जनवरी, 1995 से स्कूल के शैक्षिक, सह - शैक्षिक और भौतिक विकास में योगदान करने के लिए दानदाताओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से शुरु की गई थी।

स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम : इस कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के समन्वय से राजकीय एवं गैर राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। राज्य में संयुक्त राष्ट्र बाल शिक्षा कोष (यूनिसेफ) द्वारा किशोरी आयु की बालिकाओं (10-19 आयु वर्ग) के लिए एनीमिया नियंत्रण का एक अलग कार्यक्रम संचालित किया जाता है।

समग्र शिक्षा

समग्र शिक्षा समयबद्ध तरीके से प्रारम्भिक और माध्यमिक शिक्षा के सर्वभौमिकरण की उपलब्धि के लिए भारत सरकार का फ्लैगशिप कार्यक्रम है। योजना के मुख्य है। योजना के मुख्य उद्देश्य, नीचे दिए गए हैं।

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और छात्रों के सीखने के परिणामों को बढ़ाना।
- स्कूल शिक्षा में सामाजिक और लैंगिक अन्तर को कम करना।. स्कूल शिक्षा में सभी स्तरों पर समानता और समावे सुनिश्चित करना।
- स्कूली शिक्षा में न्यूनतम मानक सुनिश्चित करना।
- शिक्षा प्रणाली में व्यवसायिकता को बढ़ावा देना।
- बच्चों के निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आर. टी. ई) अधिनियम - 2009 के कार्यान्वयन में राज्य को सहयोग करना।
- शिक्षक प्रशिक्षण के लिए नोडल एजेंसियो के रूप में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एस. सी. ई आर. टी) राज्य शिक्षा संस्थान और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डी. आई. ई. टी) का सुदृढ़ीकरण और उन्नयन। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के माध्यम से एकल राज्य क्रियान्वयन समिति (एस. आई. एस) के रूप में राज्य में 'समग्र शिक्षा ' लागू की जा रही है। योजना में केंद्र v राज्य की वित्त सहभागिता 60:40 है।

निः शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम,2009 निः शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम. 2009 राज्य में दिनांक 1 अप्रेल 2010 से लागू किया गया है? इस अधिनियम में निजी विद्यालयों में कमजोर वर्ग और वंचित वर्ग के बालकों / बालिकाओं के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित है।
राज्य सरकार ने निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत निः शुल्क प्रवेश (राज्य के नियमों के आधार) की प्रभावी निगरानी एवं समय पर पुनर्भरण के लिए एक वेबपोर्टल (www. raj. psp. nic.in) विकसित किया है। वित्तीय वर्ष 2020 - 21 में आरटीई अधिनियम 2009 की धारा 12 की धारा 12 (सी) के अन्तर्गत निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें के प्रवेश के लिए आय सीमा ₹ 1.00 लाख से बढ़ाकर ₹ 2.50 लाख की गई है। वर्ष 2021-22 में (दिसम्बर 2021 तक) राज्य सरकार द्वारा इन विद्यालयों को ₹ 125.66 करोड़ राशि पुनर्भरण की गई है।

शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल

- 316 कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय (के. जी. बी. वी) संचालित हैं और इन विद्यालयों में 38.501 बालिकाएं अध्ययनरत हैं इस योजना में ₹ 13,316.82 लाख की स्वीकृत राशि के विरुद्ध ₹ 9,489.14 लाख (71.26 प्रतिशत) जिलों को आवंटित किया गया है।
- कभी भी नामांकित नहीं हुई एवं बीच में ही विद्यालय छोड़ देने वाली बालिकाओं को कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में नामांकित होने के लिए प्राथमिकता दी जाती है इन बालिकाओं को ब्रिज कोर्स शिक्षण प्रदान किया जाता है, ताकि वे छठी कक्षा की बुनियादी दक्षता हासिल कर सकें।
- कोविड - 19 के दौरान सीखने में निरंतरता हेतु ऑनलाइन अध्ययन का प्रावधान किया गया है।
- राज्य में 10 मेवात बालिका आवासीय विद्यालय संचालित हैं। ये आवासीय विद्यालय मेवात क्षेत्र में बालिकाओं के लिए स्थापित किए गए हैं जो शैक्षिक रूप से अत्यधिक पिछड़ा है। अलवर जिले में इन मेवात छात्रावासों का निर्माण मेवात क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत किया गया है। वर्ष 2021 - 22 के दौरान इन छात्रावासों में 390 बालिकाओं का नामांकन है, जबकि कुल प्रवेश क्षमता 500 बालिकाओं की है। वर्ष के दौरान (दिसम्बर, 2021 तक) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत रु. 304.75 लाख के विरुद्ध, स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा जिलों को रु. 304.55 लाख आवंटित किए गए हैं।

किशोरी बालिकाओं के लिए बालिका सशक्तिकरण कार्यक्रम: उक्त गतिविधि के लिए परिषद स्तर से जिलों को रु. 763.00 लाख जारी किए गए, जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ संचालित की गई।
=> मीना राजू एवं गार्गी मंच : समाज में सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता पैदा करना यथा - बाल विवाह, दहेज प्रथा तथा बीच में पढाई छोड़ चुकी, अनियमित एवं अनामांकित छात्राओं के माता - पिता को अपनी बेटियों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करने के लिए, कक्षा 6 - 8 में पढ़ने वाली बालिकाओं को शामिल कर 19,284 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में मीना - राजू मंच का गठन किया गया है और कक्षा 9 - 12 में पढ़ने वाली बालिकाओं को शामिल करके 14,961 माध्यमिक विद्यालयों में गार्गी मंच का गठन किया गया है।
=> अध्यापिका मंच : बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर को बढ़ाने और विद्यालय में छात्राओं के लिए मित्रवत् वातावरण स्थापित करने के लिए ब्लॉक स्तर पर 301 अध्यापिका मंच (अधिकतम 100 शिक्षकों का समूह) की स्थापना की गई है। वर्ष 2021 - 22 में राज्य के प्रत्येक ब्लॉक से मास्टर ट्रेनर चयन कर मीना राजू, गार्गी एवं अध्यापिका मंच का राज्य स्तरीय ऑनलाइन आमुखीकरण किया गया।
=> शैक्षणिक किशोरी मेला : विज्ञान और गणित पर विशेष ध्यान देने के लिए बच्चों में शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करने एवं रचनात्मक शिक्षण दृष्टिकोण विकसित करने के लिए पीईईओ, ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर शैक्षणिक किशोरी मेला का आयोजन किया गया। प्रत्येक मेले में गणित और विज्ञान पर आधारित विभिन्न खेलों के 25 - 30 शैक्षणिक स्टॉल लगाए गए हैं। सत्र 2021 - 22 के दौरान माह सितम्बर में सभी पीईईओ स्तर पर किशोरी शैक्षिक उत्सव का आयोजन किया गया और पीईईओ स्तर पर रु. 4,500 का बजट आवंटित किया गया। 11 अक्टूबर, 2021 को सभी जिलों में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया। "मेरी बेटी मेरा सम्मान कार्यक्रम" के तहत राज्य भर में शैक्षणिक, कोविड जागरूकता एवं अन्य क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि और रोल मॉडल वाली 3,300 बेटियों को सम्मानित किया गया।

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें – (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 – https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 – https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

UP Police Constable 2024 – http://surl.li/rbfyn (98 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level – https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level – https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO – https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade – https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD – 2021 – https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
MPPSC Prelims 2023	17 दिसम्बर	63 प्रश्न (100 में से)
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये

FREE SAMPLE

RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2^{nd} शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1^{st} शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2^{nd} शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1^{st} शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1^{st} शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1^{st} शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12^{th} level	04 February 2023 (1^{st} शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1^{st} शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO